

प्रेषक,
श्री एन0एन0 प्रसाद,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।
सेवा में,
निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तरांचल देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून: दिनांक 20 जुलाई, 2004

विषय:-निदेशक पर्यटन उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद के आहरण वितरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून के पत्र दिनांक 08 जुलाई 2004, के क्रम में निदेशक पर्यटन के पत्रांक-135/2-3-104/99/2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि यद्यपि उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद अधिनियम, 2001 में निदेशक, पर्यटन का उल्लेख नहीं किया गया है तथापि अभी तक उत्तर प्रदेश शासन के वित्त (आय व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-बी0-1-4784/दस-53/98 दिनांक 28 अक्टूबर 1998 में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया गया है। अतः उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद को आवंटित अनुदान सम्बन्धी देयक पर हस्ताक्षर/प्रतिहस्ताक्षर करने हेतु निदेशक, सक्षम प्राधिकारी होंगे। अतः पूर्व से सृजित निदेशक के प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकार यथावत रहें तथा आवंटित डी0डी0ओ0 कोड से आहरण वितरण अधिकारी के कर्तव्य एवं दायित्व का वे पूर्ववत् निर्वहन करेंगे।

2- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या- 801/वित्त अनुभाग-3/2004 दिनांक 16-7-2004 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय

(एन0एन0 प्रसाद)
सचिव।

पृ0प0संख्या-467/VII/2004 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, ओबराय मोटर परिसर, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2-मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद।
- 3-निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
- 4-निदेशक, एन0आई0सी0 राज्य इकाई सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 5-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, नैनीताल, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी एवं पौड़ी।
- 6-वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 7-गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(एन0एन0 प्रसाद)
सचिव।